HSA-E513
सत्रीय परीक्षा-2021(पंचम सत्र)
बी.ए. (विद्यलांकार/संस्कृत ऑनर्स)
विषय-संस्कृत
विवरण-संस्कृत में रंगमंच और नाट्यशास्त्र

समय-होरात्रयम् **पूर्णांक:70**
उत्तीर्णांक:40%

नोट: **प्रश्न-पत्र दो खंडो 'अ' एवम् 'ब' में विभक्त है, दोनो खण्ड अनिवार्य हैं।**

(खण्ड-अ)
(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट; किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर 150 शब्दों में दीजिए, प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है।

1 नेपथ्यगृह के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
2 मध्यम आकार के रंगमंच निर्माण पर प्रकाश डालिए।
3 भूमिशोधन से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए।
4 नायिका के भेदों का संक्षेप में प्रतिपादन कीजिए।
5 अभिनय के भेदों का निरूपण कीजिए।
6 संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए - (क) दारुकर्म (ख)सर्वश्राव्य
7 आधिकारिक इतिवृत को स्पष्ट कीजिए।
8 कार्यावस्थाओ का वर्णन कीजिए।
9 वैदिककालीन रंगमंचके इतिहास पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।
10 नाटकों में सूत्रधार के महत्व को प्रतिपदित कीजिए।

(खण्ड-ब)
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट; किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में दीजिए,प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

1 नाट्यमण्डप के प्रकारों पर प्रकाश डालते हुए भरतमुनि के अनुसार सर्वोत्कृष्ट नाट्यमण्डप का विस्तारपूर्वक उल्लेख कीजिए।
2 अर्थप्रकृति को परिभाषित करते हुए उसके भेदों क़ो निरुपित कीजिए।

3 नाट्य संधियों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालिए।

4 रसनिष्पत्ति पर विस्तारपूर्वक टिप्पणी लिखिए।

5 राष्ट्रीय एवम् राज्यस्तरीय रंगमंच के ऐतिहासिक स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

6 नाटक के उद्भव एवं विकास के सम्बन्ध में उल्लेखित विभिन्न मतों पर प्रकाश डालिए।

7 नायक को परिभाषित करते हुए नायक के भेदों का उल्लेख कीजिए।

8 विस्तारपूर्वक टिप्पणी कीजिए- (क) प्रतिनायक (ख) व्यभिचारीभाव